By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-16

Topic - Fascism

Class - B.A. Degree - III (Hons., P-VIII D)

Subject - Political Science

Date - 20 August, 2020

By Rahul Kumar Jha

आज के संदर्भ में फासीवादी विचारधारा का मूल्यांकन :-

वर्तमान संदर्भ में फासीवादी विचारधारा को विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है। इसकी उग्र-राष्ट्रीयता की भावना विश्व-बन्धुत्व के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। अविवेकवाद पर आधारित यह विचारधारा है, जो प्रगतिशील समाज के रास्ते में एक बाधा है। आज राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संबंध विश्वास व सहयोग पर आधारित हैं। इनमें छल-कपट की कोई जगह नहीं है।

अवसरवादिता अन्तर्राष्ट्रीय संबन्धों में दरार पैदा करने में अपना योगदान देकर विश्व शांति को खटाई में डाल सकती है। इसलिए अवसरवादिता विश्व समाज में अमान्य है। आज का युग अंतर्राष्ट्रवाद का युग है। विश्व का प्रत्येक देश एक-दूसरे से आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक रूप से जुड़ा हुआ है। फासीवाद संकीर्ण राष्ट्रवाद की बात करके अंतर्राष्ट्रवाद का विरोध करता है। इस दृष्टि से फासीवाद विचारधारा अमान्य है।

फासीवाद के दानवीय विचार मानव सभ्यता को नष्ट करने वाले हैं। शक्ति व हिंसा पर आधारित इस विचारधारा ने न केवल इटली व जर्मनी को बल्कि विश्व मानवता को भी बहुत हानि पहुंचाई है। द्वितीय विश्व युद्ध में इन ताकतों ने जो जीवन विनाश व

व तबाही का दृश्य देखा, वह सर्वविदित है। इटली और जर्मनी में फासीवादी ताकतों ने जितना जन-इच्छा को दबाया, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जनता को अपनी ही इन शासकों से घृणा हुई।

आज विश्व में ईराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन तथा अफगानिस्तान के तालिबान शासन का जो हर्ष हुआ है, वे सर्वविदित हैं। ईराक के तानाशाह सद्दाम को अपना आदर्श मानने वाली जनता, आज उनसे घृणा करती है। इसी प्रकार लीबिया के तानाशाह कर्नल गद्दाफी से जनता घृणा करने लगी वही हाल अब सीरिया और उत्तर कोरिया में भी बना हुआ है। इसी प्रकार जिन भी देशों में फासीवादी तत्व हैं, वहां उनका देर-सवेर अंत होना आवश्यक है। अतः फासीवाद एक घृणास्पद विचारधारा है। इसका महत्व तत्कालीन समय में तो हो सकता है, आज नहीं।